फर्द अहकाम

नियम– 20

आज अदालत उपखण्ड अधिकारी भादरा मुकाम भादरा

नथ्या बनाम रामचन्द्र आदि

किस्म मुकदमा – 212 आरटीएक्ट मुकदमा नम्बर:– 107/2025

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल जज	नम्बर व तारीख फर्द अहकाम की हुक्म की तामील जारी हुआ।
11.2025	आज यह प्रार्थना पत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा वकील प्रार्थी के द्वारा पेश किया गया। प्रकरण पर रिपेदार की रिपोर्ट होने के बाद प्रकरण दर्ज किया गया। प्रार्थना पत्र 212 आरटीएक्ट पर वकील प्रार्थी की एकपक्षीय बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया वकील प्रार्थी की बहस एवं प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र का अवलोकन किया गया। बाद अवलोकन पाया कि सुविधा का संतुलन एवं अपूर्णीय क्षति का सिद्धान्त प्रथम दृष्ट्या प्रार्थी के पक्ष में होने के कारण अप्रार्थी संख्या 1 व 2 के विरुद्ध इस आशय की जारी की जाती है कि विवादित आराजी रोही मौजा विराण के खाता संख्या 35/46 की कुल 4.9830 है0 आराजी में अप्रार्थी संख्या 1 के 2504/4983 हिस्से तक एवं चक ए.एम.एस. के खाता संख्या 187/171 में अप्रार्थी संख्या 2 के नाम कुल 0.253 हैक्टर आराजी को रहन, बैय या अन्य किसी तरीके से अन्तरित न करें एवं भूमि के राजस्व रिकॉर्ड व मौका की यथास्थिति बनाये रखें। वकील प्रार्थी को अप्रार्थीगण की तलबी जरिये रजिस्टर्ड सम्मन/नोटिस से करवाई जाकर रसीदें पेश करे। पत्रावली वास्ते तलबी दिनांक 03.12.2025 को पेश हो। भागीरथ राम उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) भादरा	
3/12/25	वकील प्रार्थी उपस्थित। अप्रार्थी सं. 1 की ओर से श्री किशनलाल यादव अधिवक्ता द्वारा वकालतनामा मय जवाब प्रार्थना-पत्र पेश किया वकील [illegible] प्राप्त किया गया। पत्रावली वास्ते बहस दिनांक 22.12.25 को पेश हो	
22/12/25	वकील वादी/प्रतिवादी/प्रार्थी/अप्रार्थी उप. पत्रावली गत आदेशानुसार वास्ते बहस दिनांक 2/1/26 को पेश हो।	
2/1/26	वकील उभयपक्ष उपस्थित। बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया बाद अवलोकन पाया कि प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाना न्यायोचित है।	

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagirath Ram
Date: 2026.05.07 11:55:40 IST
Reason: SelfAttested

विस्तृत निर्णय पृथक से लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। श्रा.प किया गया। पत्रावली नकल से कायमी जाकर मूल वाद संख्या 269/2025 भगवानी नव्या बनाम रामचन्द्र में संलग्न हो।

(Bhagirath Ram)

उपखण्डाधिकारी (राजस्व)
जायल (जिला-

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagirath Ram
Date: 2026.05.07 11:55:40 IST
Reason: SelfAttested